

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : (उत्तर प्रदेश) माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं श्री राम नरेश यादव जी के विशेष उल्लेख से अपने को संबद्ध करता हूँ सिवाय एक बात को छोड़कर जो उन्होंने शिव सेना पर प्रतिबन्ध लगाने की बात कही है।

मान्यवर, बम्बई में जो दंगे हुए उसमें विशेषकर उत्तर प्रदेश, बिहार के बहुत लोग प्रभावित हुए। जो उत्तर प्रदेश के पूर्वी जिले हैं बनारस है, इलाहाबाद है, जौनपुर आजमगढ़, बस्ती, बलिया यहां के जो अल्प-संख्यक समुदाय के लोग थे और जो बहु-संख्यक समुदाय के लोग थे उन्हें वहां से भागकर आना पड़ा, उन्हें वहां से पलायन करना पड़ा। वे एक ही गाड़ी में बैठकर आये और बहुत से लोग इलाहाबाद उतरे और वहां से बसां में बैठकर आजमगढ़, जौनपुर गये। मान्यवर, देश की मार्वाभौनिकता और राष्ट्रीय एकता के लिए यह बहुत आवश्यक है कि इन लोगों को पुनः वापस भेजा जाय। उनके लिए व्यापार व्यवस्था की जाय और सरकार उनको विशेषरूप से आर्थिक सहायता दे और उनके मन से यह डर जाना चाहिए कि वे अगर बंबई जायेंगे तो फिर उनको इस प्रकार की घटनाओं का सामना करना पड़ेगा। इसलिए मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह करता हूँ कि सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। इसके लिए उनकी लिस्ट तैयार करके सब लोगों को वापस भेजने और उनकी रोजी-रोटी की व्यवस्था करनी चाहिए।

Discontent among the people of Bhopal due to non-payment of compensation to the Bhopal gas victims

श्री नारायण प्रसाद गुप्ता : (मध्य प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं अपने विशेष उल्लेख के द्वारा आज जिस विषय पर चर्चा करना चाहता हूँ वह भोपाल गैस त्रासदी से पीड़ित पांच लाख लोगों के संबंध में है।

महोदय, इस विषय पर हम माननीय सदस्यों ने गहरी चिंता व्यक्त की थी और हम यह आशा करते थे कि भोपाल के गैस पीड़ितों की समस्याएँ, जिनकी संख्या 5 लाख से अधिक है, उनकी समस्याओं को हल करने के लिए तत्काल आवश्यक और उचित कदम उठाए जायेंगे। मुझे खेद है कि पिछले मंत्री महोदय ने भोपाल के दर्शन नहीं किए, वहां की समस्याओं को समझने की कोशिश नहीं की। परं हाउस ने एक मत से इस पर चिंता व्यक्त की हुई है। मैं पुनः सरकार को याद दिलाना चाहता हूँ और अपनी चिंता व्यक्त करना चाहता हूँ और चाहता हूँ कि सरकार भोपाल गैस पीड़ितों की समस्याओं का हल तत्काल और नेजी से करे। उनकी जो समस्या है उस पर मैं सदन का थोड़ा समय लेना चाहता हूँ।

महोदय यह घटना 2 दिसम्बर, 1984 को हुई। अंदाजा लगाइए कि आठ वर्ष बीत चुके हैं और 5 लाख लोगों को सरकार ने मुआवजा देना है। लेकिन मेरी जानकारी के मुताबिक अभी कुल 5 सौ लोगों को ही मुआवजा दिया गया है। 5 लाख लोगों में जब केवल 500 लोगों को मुआवजा सरकार दे सकी है तो जिस तरीके से यह काम हो रहा है यह घोर चिंता का विषय है। मैं चाहूंगा कि यदि मंत्री महोदय यहां पर उपस्थित हैं तो नोट करें और यहां कोई वचन अवश्य दें।

दूसरी बात यह है कि एक तो केंद्रीय सरकार ने इस मामले को अपने हाथ में लिया कि हम सब उसका फैसला करेंगे और जो राशि तय की गई है उससे भी भोपाल की जनता चिन्तित है तथा अपनी नाराजगी अनेकों बार व्यक्त कर चुकी है। आपने दावा तो 4700 करोड़ का किया था लेकिन समझौता आपने 750 करोड़ रुपए पर कर लिया है। एक तो यह चिन्ता थी। दूसरा 56 बाडों के लोगों को 200 रुपया प्रति मास राहत राशि दी जानी थी लेकिन केवल 36 बाडों में ही यह राशि दी जा रही है। इस प्रकार से भोपाल की जनता इस गैस त्रासदी से पूरी तरह से पीड़ित है। अनेक प्रकार की बीमारियों बढ़ती जा रही हैं। बीमारी

के कारण वहाँ पर बेकारी भी बहुत बढ़ गई है। मैं चाहता हूँ कि सरकार तेजी से कार्यवाही करे और यह मांग करता हूँ कि नए मंत्री जी स्वयं प्रत्यक्ष जा कर के दर्शन करें। मैं यह जरूर आश्वासन चाहूँगा।

इसके साथ मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि जो जजेज या उपायुक्त इस मामले का निपटारा कर रहे हैं उनकी संख्या इतनी कम है कि पांच लाख लोगों के मामलों का निपटारा 15 वर्षों में भी नहीं कर सकते हैं। इस लिए जजेज की संख्या बढ़ाई जाए। मंत्री महोदय वहाँ पर मोके पर जा कर स्थिति का मुआयना करें और समयबद्ध रूप से मामले का निपटारा किया जाए कि इतने वषों में कम से कम पहली मुआवजे की राशि उनको अवश्य दे दी जाएगी। अपील के मामले तो शायद चलते रहेंगे। इतना कह कर मैं अपना कथन समाप्त करता हूँ।

श्री अजीत जोगी (मध्य प्रदेश) :
उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं भी अपने आपको इस से संबद्ध करना चाहूँगा। माननीय सदस्य ने जो बात कही है वह बिल्कुल जायज है और उचित है। इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

Reported targeting of ballistic missiles by U.S.A. on Developing Countries which do not possess Nuclear Weapons

SHRI N. GIRI PRASAD (ANDHRA PRASAD): Mr. Vice-Chairman, Sir, I would like to bring to the notice of the House, through you, and also to the notice of the Government, the very alarming reports which have appeared in the Press.

According to Press reports, the USA is targeting its nuclear weapons on developing countries. A serious discussion is going on among the authorities in the United States. Recently, Gen. Powell, who is the Chairman of the Joint Chiefs of Staff and a prospective candidate, had said that they were targeting the developing countries

which do not possess nuclear weapons. Possibly because the U.S.A. is afraid or is thinking that some developing countries may develop nuclear weapons in course of time. We know that even now there are some among the developing countries which have developed this technology. As far as we are concerned, we do not have any nuclear capability. Our Government has clearly said that we do not intend to produce nuclear weapons. In fact, many developing countries do not possess nuclear weapons. They do not have the capacity even. In this background, what is the purpose of the U.S. Government aiming its nuclear weapons or rockets on developing countries? We can understand their targeting those countries which have developed their capability or which have nuclear weapons. As I said, most of the developing countries do not have nuclear weapons.

Therefore, Sir, this is a sort of present-day gun-boat diplomacy. With their nuclear weapons, they want to blackmail the developing countries in order to make these countries surrender to their interests. It is not a question of whether we are having nuclear weapons or not. As you know, recently, because of our agreement with Russia on the supply of cryogenic engines, they put us in the black list with regard to some other things. This is the attitude of the American Government. They go on threatening the developing countries which are not at all a match for them in the context of their nuclear capability or even in the context of conventional weapons. Therefore, in view of this, what is the attitude of the Government of India? We are a leading member of the non-aligned movement. I am not sure if India has played any role, whether our Government has protested seriously to the American Government about aiming nuclear weapons against developing countries. I do